

श्री रामकुमार भुवालका : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि 19-9-65 से 21-11-65 तक 25 दफा चाइनीज लोग हमारे सिक्किम में आये तो इसका क्या कारण है ? वहाँ हमारी मिलिटरी के इतने आदमी रहते हैं फिर भी वह बार बार आते हैं । क्या हमारी फोर्सेज वहाँ पूरी नहीं हैं ।

SHRI Y. B. CHAVAN: That is not true, Sir. I think our defence arrangements there are quite adequate.

श्री रामकुमार भुवालका : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि जैसे पंजाब, जम्मू और काश्मीर और राजस्थान में हमारे जवानों ने अच्छा काम किया तो क्या हमारे ऐसे जवान उस साइड में नहीं छोड़े हैं जो वह बार बार वहाँ आते हैं ।

SHRI Y. B. CHAVAN: It is a very wrong comparison a wrong way of proposing such questions. It is unfair to the soldiers and the Army people who are functioning on that side. They are equally brave and loyal to their duties.

श्री विमलकुमार मुन्नालालजी चौर-झिया : श्रीमान् ने अभी बताया कि सिक्किम की सीमा में वह चले आते हैं और श्रीमान् ने उत्तर दिया कि हमारे सिपाही बराबर मोर्चे पर हैं, वह चले भी आते हैं और हमारे सिपाही मोर्चे पर भी हैं तो फिर उनका आना रोक सके इसके बारे में क्या कुछ करने का इरादा है, क्या यह श्रीमान् बतलायेंगे ?

श्री वाई० बी० चव्हाण : जो हो सकता है वह कर रहे हैं और करते रहेंगे ।

SHRI N. SRI RAMA REDDY: May I know from the hon. Minister whether it is a fact that the Chinese have militarised the demilitarised zone?

SHRI Y. B. CHAVAN: Yes; they have.

ऑस्ट्रेलिया में काश्मीर के सम्बन्ध में भारतीय पक्ष के बारे में प्रचार

*395. **श्री जगन्नाथ प्रसाद :** क्या बंदेशिक कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान समाचार पत्रों में छपे इस आशय के समाचार की ओर आकर्षित किया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पक्ष के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है जबकि पाकिस्तान और चीन ने वहाँ भारी प्रचार किया है ; और

(ख) यदि हां, तो अब वहाँ भारतीय पक्ष का प्रचार करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

t [PUBLICITY OF INDIA'S CASE ON KASHMIR IN AUSTRALIA

*395. SHRI JAGANNATH PRASAD: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in the newspapers to the effect that there is no knowledge of India's case in Australia whereas Pakistan and China have made strong publicity there; and

(b) if so, what measures are being taken for the publicity of India's case there?]

बंदेशिक कार्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री विनेश सिंह) : (क) इस सम्बन्ध में समाचार-पत्र की एक रिपोर्ट भारत सरकार के ध्यान में आई है, लेकिन वह उससे पूर्णतया सहमत नहीं है ।

(ख) ऑस्ट्रेलिया में हमारे मिशन ने ऑस्ट्रेलिया की सरकार को अच्छी तरह सूचित रखा था । इसके अतिरिक्त हमारे मिशन ने जो उपाय करते, उनमें ये शामिल हैं : प्रेस सम्मेलन, सूचना देना, सम्पादकों और

† [English translation.

सम्वाददाताओं के साथ बातचीत, विश्वविद्यालयों, संस्थानों और रेडिओ-क्लबों में लेखक और वार्ता, रेडियो और टेलीविजन पर इन्टरव्यू, पैम्फ्लेटों और अन्य प्रचार सामग्री का वितरण और फिल्म प्रदर्शन आदि। मिशन के प्रेस बंटनों का वितरण काफी बढ़ा दिया गया। हमारे प्रेस सहचारी की ओर से सम्वादकों को कई पत्र भी भेजे गए।

[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) While a newspaper report to this effect has come to the notice of the Government of India, they do not entirely agree with it.

(b) Our Mission in Australia has kept the Government of Australia well informed of developments. Other measures taken by our Mission include Press conferences, briefings, discussions with editors and correspondents, lectures and talks in universities and institutions, including the Rotary Clubs, radio and television interviews, distribution of pamphlets and other publicity literature and screening of films, etc. The distribution of the Mission's Press releases was considerably increased. There were also a number of letters to editors from our Press Attache.]

श्री जगन्नाथ प्रसाद : आस्ट्रेलिया में जो पब्लिसिटी की गई वह भारतीय मिशन के द्वारा ही की गई और कल विदेश मंत्री ने स्वयं इसी हाउस में स्वीकार किया था कि वह स्वयं संतुष्ट नहीं है विदेशों में जो प्रचार हुआ है क्या से इसलिये मैं जानना चाहता हूँ कि काकू हमारे मिशन के अलावा और भी जो लोग हैं उन से मिल कर कोई इस के लिये कदम उठाने जा रहे हैं जिस से कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा जानकारी मिल सके और उन का सपोर्ट मिल सके।

श्री बिनेश सिंह : हम कदम तो ज्यादातर जो हमारे मिशन हैं उन के जरिये ही उठा

† [] English translation.

सकते हैं लेकिन सदन को मालूम है कि कुछ हमारे माननीय सदस्य और हमारे प्रधान मंत्री की ओर से कुछ खास लोग भी गये हैं इन देशों में।

SHRI M. R. SHERVANI: May I know how many pamphlets have been issued from our Mission in Australia in connection with the Indo-Pakistan conflict and our case?

SHRI DINESH SINGH: I could not give the exact number of copies. They will run into thousands but I will have to get the number.

USE OF CHINESE MIG's BY PAKISTAN

•396. SHRI N. SRI RAMA REDDY: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state whether the use of Chinese MIG aeroplanes by Pakistan was noticed neither during or after the recent Indo-Pakistan conflict?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DR. D. S. RAJU): No, Sir.

SHRI N. SRI RAMA REDDY: I would like to know whether it is not a fact that China is in possession of a large number of MIGs and they have also started manufacturing these MIGs. Could it not have been possible that these MIGs were flown over the Himalayan border?

SHRI Y. B. CHAVAN: Sir, what is possible and what is not possible is a different question. The question that was raised by this question was whether we had noticed any MIGs during the operations and the answer is, 'no'.

SHRI SANTOKH SINGH: May I know the speed in kilometers per hour of MIGs and that of Gnats and Sabre Jets?

SHRI Y. B. CHAVAN: Would you kindly repeat the question?

MR. CHAIRMAN: Would you kindly repeat your question or you don't want to ask it?